भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1514

सोमवार, 9 फरवरी, 2026/20 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

गुजरात के दाहोद में पर्यटकों के लिए सुरक्षा और डिजिटल सुविधाएं

1514. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) दाहोद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों के लिए सुरक्षा और डिजिटल सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए की गई विशेष पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की पर्यटन विकास को ध्यान में रखते हुए उक्त निर्वाचन क्षेत्र में व्यावसायिक सम्मेलन आयोजित करने के लिए सिटी लेवल कन्वेंशन प्रमोशन ब्यूरो की स्थापना करने की कोई योजना है; और

(ग) उक्त निर्वाचन क्षेत्र के पर्यटन स्थलों को वैश्विक मानचित्र पर लाने के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों और एकीकृत आगंतुक सुविधा केन्द्रों की स्थापना की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): सुरक्षा संबंधी मुद्दों से निपटने सहित पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्रों की योजनाओं, जैसे- 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)'- स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के माध्यम से योजना दिशानिर्देशों और सरकार के निदेशों के अनुरूप संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन से परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति, निधियों की उपलब्धता आदि के तहत उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

भारत सरकार ने अपनी 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' योजना के तहत

देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का व्यापक रूप से विकास करने, वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग और विपणन करने के प्राथमिक उद्देश्य से परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत घटक मुख्य रूप से डिजिटल पहल सहित पर्यटकों एवं आगंतुकों की सुविधा से संबंधित हैं तथा पर्यटन के मुख्य उत्पादों, जैसे पर्यटक सुविधा केंद्र, व्याख्या केंद्र, पर्यटन कार्यकलाप, स्वास्थ्य संबंधी स्वच्छता और सुरक्षा, कनेक्टिविटी, पार्किंग, सामान्य स्थल विकास, सॉफ्ट इंटरवेंशन आदि से संबंधित उत्पादों को कवर कर सकते हैं। पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के योजना दिशानिर्देशों में घटकों की एक व्याख्यात्मक सूची शामिल की है।

पर्यटन मंत्रालय ने एमआईसीई संवर्धन ब्यूरो की स्थापना के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं, जिन्हें सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों को परिचालित किया गया है और देश में एमआईसीई उद्योग की वृद्धि के संवर्धन हेतु एमआईसीई उद्योग के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति एवं रोडमैप भी तैयार किया गया है। मंत्रालय ने 'अतुल्य भारत' अभियान में एक विशेष उप-ब्रांड के रूप में 'मीट इन इंडिया' की शुरुआत की। इस उप-ब्रांड का उद्देश्य संवर्धनात्मक पहलों को बढ़ाना और भारत को शीर्ष-स्तरीय कनेक्टिविटी, अत्याधुनिक अवसंरचना, एक जीवंत ज्ञान केंद्र और विशिष्ट पर्यटक आकर्षणों से युक्त एक अपीलिंग एमआईसीई गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करना है।

मंत्रालय ने एक व्यापक डिजिटल एमआईसीई कैटलॉग तैयार किया है, जिसमें 60+ भारतीय शहरों में अवसंरचना एवं सुविधाओं को दर्शाया गया है, जिन्होंने जी20 बैठकों की भारत की अध्यक्षता के दौरान सफलतापूर्वक मेजबानी की। भारत में कार्यक्रमों के आयोजन में यह संसाधन सूची, भारतीय शहरों को विश्व के मंच पर प्रमुख स्थलों के रूप में बढ़ावा देते समय वैश्विक और राष्ट्रीय एमआईसीई योजनाकारों का सहयोग करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

यद्यपि विभिन्न योजनाओं के तहत परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति इस प्रक्रिया का एक भाग है, वर्तमान में दाहोद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित गुजरात में परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए पर्यटन मंत्रालय के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। स्वदेश दर्शन, सीबीडीडी, प्रशाद और एसएएससीआई योजना के तहत गुजरात में पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजना का ब्यौरा निम्नानुसार है: -

परियोजना/ उप-योजना	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**परिपथ/ गंतव्य (श्रेणी)**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
स्वदेश दर्शन	अहमदाबाद - राजकोट - पोरबंदर - बारदोली - दांडी का विकास	विरासत परिपथ	2016-17	59.17
स्वदेश दर्शन	वडनगर - मोढेरा का विकास	विरासत परिपथ	2016-17	91.12
स्वदेश दर्शन	जूनागढ़ - गिर सोमनाथ - भरूच - कच्छ - भावनगर -	बौद्ध परिपथ	2017-18	26.68

	राजकोट - मेहसाणा का विकास			
चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)	शर्मिष्ठा झील का रूपांतरण: वडनगर में प्रकाश और संस्कृति	वडनगर (संस्कृति एवं विरासत)	2024-25	17.29
चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)	थोल: परिवर्तनकारी पर्यटन 'सौहार्दपूर्ण स्थायित्व, अनुकूलित कौशल' अग्रणी प्रौद्योगिकी	थोल गांव (इको-पर्यटन और अमृत धरोहर स्थल)	2024-25	9.96
चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)	हरसिद्धि तट, पोरबंदर में पवित्र महासागर आश्रय स्थल	पोरबंदर (आध्यात्मिक पर्यटन)	2024-25	24.66
प्रशाद	द्वारका का विकास	द्वारका	2016-17	10.46
प्रशाद	सोमनाथ में तीर्थयात्री सुविधाओं का विकास	सोमनाथ	2016-17	45.36
प्रशाद	सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास	सोमनाथ	2018-19	47.12
प्रशाद	गुजरात में अंबाजी मंदिर बनासकांठा में तीर्थ सुविधाओं का विकास	बनासकांठा	2022-23	50.00
एसएएससीआई	केरली (मोकरसागर), पोरबंदर में इको-पर्यटन गंतव्य	पोरबंदर	2024-25	99.50
एसएएससीआई	धोर्डो में टेंटेड सिटी और कन्वेंशन सेंटर	धोर्डो	2024-25	51.56

****